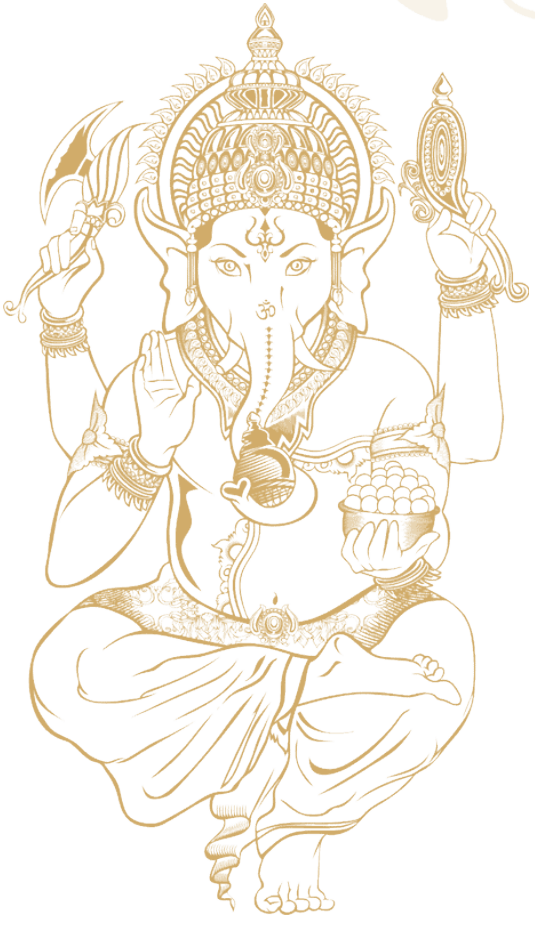

Mr.priya kumari

08 Jun 1995

07:20 AM

Bharatpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121360002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/06/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:20:00 घंटे**
इष्ट	04:47:19 घटी
स्थान	**Bharatpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:13:00 उत्तर
रेखांश	77:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:59:56 घंटे
वेलान्तर	00:01:07 घंटे
साम्पातिक काल	00:03:52 घंटे
सूर्योदय	05:25:04 घंटे
सूर्यास्त	19:13:04 घंटे
दिनमान	13:47:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	23:02:35 वृष
लग्न के अंश	18:37:03 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:37:03	317:02:58	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	23:02:35	00:57:23	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	13:19:02	13:38:37	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	12:33:21	00:29:41	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृष	18:46:07	00:31:19	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	15:52:56	00:07:32	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	03:02:19	01:12:57	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि			मीन	00:17:44	00:02:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	सम राशि
राहु			तुला	11:01:05	00:01:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	11:01:05	00:01:16	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	06:13:47	00:01:32	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:19:33	00:01:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:56:06	00:01:33	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मीन	07:15:28	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:45

लग्न-चलित

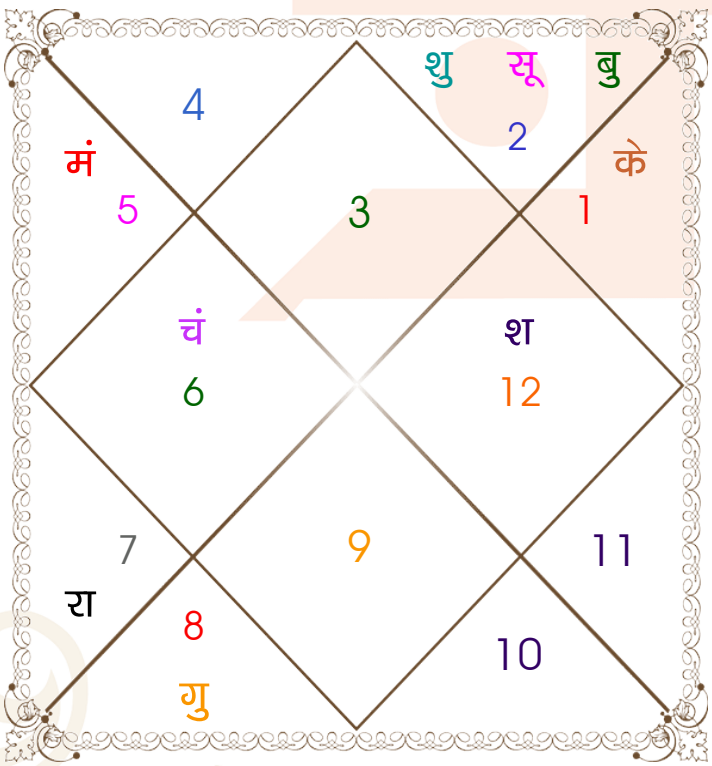

चन्द्र कुंडली

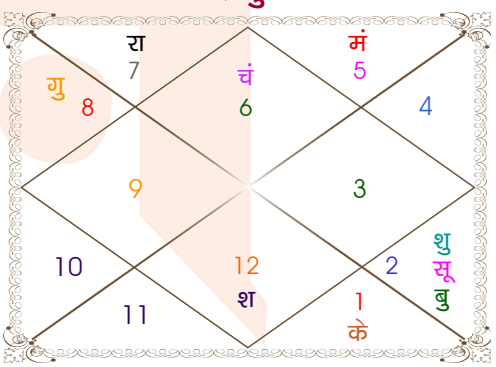

नवमांश कुंडली

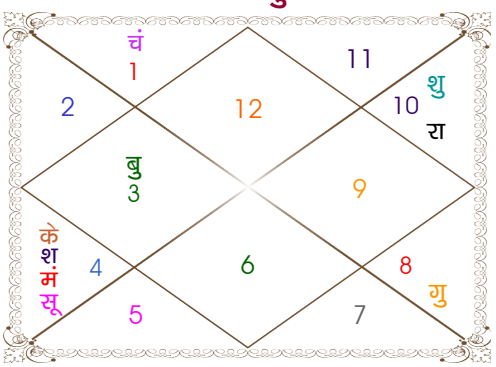

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 6 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/06/1995		12/12/2002		11/12/2009		12/12/2027		12/12/2043	
12/12/2002		11/12/2009		12/12/2027		12/12/2043		12/12/2062	
	00/00/0000	मंगल	10/05/2003	राहु	24/08/2012	गुरु	29/01/2030	शनि	15/12/2046
	08/06/1995	राहु	27/05/2004	गुरु	17/01/2015	शनि	11/08/2032	बुध	24/08/2049
राहु	11/11/1995	गुरु	03/05/2005	शनि	23/11/2017	बुध	17/11/2034	केतु	03/10/2050
गुरु	12/03/1997	शनि	12/06/2006	बुध	11/06/2020	केतु	24/10/2035	शुक्र	02/12/2053
शनि	12/10/1998	बुध	09/06/2007	केतु	30/06/2021	शुक्र	24/06/2038	सूर्य	14/11/2054
बुध	12/03/2000	केतु	05/11/2007	शुक्र	30/06/2024	सूर्य	12/04/2039	चंद्र	15/06/2056
केतु	11/10/2000	शुक्र	04/01/2009	सूर्य	24/05/2025	चंद्र	11/08/2040	मंगल	24/07/2057
शुक्र	12/06/2002	सूर्य	12/05/2009	चंद्र	23/11/2026	मंगल	18/07/2041	राहु	30/05/2060
सूर्य	12/12/2002	चंद्र	11/12/2009	मंगल	12/12/2027	राहु	12/12/2043	गुरु	12/12/2062

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
12/12/2062		12/12/2079		12/12/2086		13/12/2106		12/12/2112	
12/12/2079		12/12/2086		13/12/2106		12/12/2112		00/00/0000	
बुध	09/05/2065	केतु	09/05/2080	शुक्र	12/04/2090	सूर्य	01/04/2107	चंद्र	12/10/2113
केतु	06/05/2066	शुक्र	09/07/2081	सूर्य	12/04/2091	चंद्र	01/10/2107	मंगल	14/05/2114
शुक्र	06/03/2069	सूर्य	14/11/2081	चंद्र	11/12/2092	मंगल	06/02/2108	राहु	09/06/2115
सूर्य	11/01/2070	चंद्र	15/06/2082	मंगल	10/02/2094	राहु	30/12/2108		00/00/0000
चंद्र	12/06/2071	मंगल	11/11/2082	राहु	10/02/2097	गुरु	19/10/2109		00/00/0000
मंगल	08/06/2072	राहु	30/11/2083	गुरु	12/10/2099	शनि	01/10/2110		00/00/0000
राहु	27/12/2074	गुरु	05/11/2084	शनि	13/12/2102	बुध	07/08/2111		00/00/0000
गुरु	03/04/2077	शनि	14/12/2085	बुध	12/10/2105	केतु	13/12/2111		00/00/0000
शनि	12/12/2079	बुध	12/12/2086	केतु	13/12/2106	शुक्र	12/12/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 5 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।